श्री राजेन्द्र-धनचन्द्र-भूपेन्द्र-यतीन्द्र-विद्याचन्द्र-जयन्तसेन-शान्ति
गुरुवरों के विचारों/कार्यों को समर्पित

यतीन्द्र वाणी

हिन्दी पाक्षिक

संस्थापक- प. पू. तपस्वी योगिराज, संयमवयः स्थविर श्री शान्तिविजयजी म. सा.
प्रेरक- भाण्डवपुर तीर्थप्रेरक, प्रवचनकार प. पू. आचार्यप्रवर श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा.

सम्पादक- पंकज बी. बालड़ स. सम्पादक- कुलदीप डाँगी 'प्रियदर्शी'

* वर्ष : 24 * अंक : 12 * मोटेरा, अहमदाबाद * दिनांक 15 सितम्बर 2018 * पृष्ठ : 4 * मूल्य 5/- रुपये

पर्युषण आया मंगलकारी, मनावे हिलमिल नर और नारी
झूला झूले त्रिशला नन्दन, देव-देवी सब करते वन्दन

उदयपुर, (स. सं),

प. पू. गुरुदेव पुण्य-सम्राट श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेव श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. एवं विदुषी साध्वीश्री सूर्यकिरणाश्रीजी म. सा. आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द की निश्रा में आठ दिवसीय पर्वाधिराज पर्युषण पर्वाराधना तप-जप के साथ विविध धार्मिक अनुष्ठानों सहित हर्षोल्लास व उमंग के साथ सम्पन्न हुई।

आठों दिन आराधकों ने नित्य प्रतिक्रमण, देववन्दन, पूजा, प्रवचन, भक्ति आदि सभी सामूहिक क्रियाओं में उपस्थित रह कर धर्माराधना करते हुए अपने जीवन का कृतार्थ कर रहे हैं। चौंसठ प्रहरी पौषध की विशेष सुविधा उपलब्ध कराई गई।

नित्य के प्रवचनों में आचार्यदेवश्री अपनी विशिष्ट प्रवचन शैली से सभी के मन में धर्म का जागरण कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि शास्त्रानुसार तीर्थंकर भगवन्तों के चरित्रों का श्रवण एवं साधु-सन्तों के जीवन का अनुसरण करते हुए आराधना करना चाहिये। यदि पूरे वर्ष पर्यन्त इसका पालन नहीं कर पाते है तो वर्ष के आठ दिन में मन, वचन, काया से हमें वैसी ही जीवन शैली अपनाना चाहिये, जैसी शास्त्रों में बताई गई है। शास्त्रों में पौषधव्रत को अति प्रभावकारी बताया गया है। एक दिन यह तप करने से सरलता से मोक्ष प्राप्त होता है। मुनिराजश्री आनन्दविजयजी म. सा. ने कल्पसूत्र का नित्य वाचंन किया।

पर्व के पाँचवें दिन कल्पसूत्र के वांचन के मध्य श्री महावीरस्वामी जन्म वांचन हुआ उपस्थित आराधकों के साथ पधारे गुरुभक्तों ने महावीर जन्मोत्सव धूमधाम से मनाते हुए सभी को परस्पर जन्म की बधाई प्रेषित की गई। भाण्डवपुर तीर्थ में माता त्रिशला को आए 14 स्वप्नों एवं पालने में प्रभु को झुलाने आरती आदि के चढ़ावे दिल खोलकर उच्च भाव रखकर लाभ लिया। पालनाजी एवं भगवान की आरती का लाभ श्री भँवरलालजी मेघराजजी छत्रिया वोरा सुराणा परिवार ने लिया।

आठों ही दिन तीर्थाधिपति श्री महावीरस्वामीजी, दादा गुरुदेव, योगिराज एवं पुण्य-सम्राट की प्रतिमा पर नयनाभिराम अंगरचना की गई साथ ही तीर्थ परिसर को रंगीन सजावट से सज्जित किया गया। संगीतकारों द्वारा प्रतिदिन दोपहर में विविध पूजाएँ एवं रात्रि को भक्ति का रंगारंग कार्यक्रम संगीत की सुमधुर स्वरलहरियों के साथ प्रस्तुत किया गया।

तीर्थ परिसर में प्रभु एवं गुरुदेवों के दर्शनार्थ-वन्दनार्थ श्रीसंघों का आगमन निरन्तर हो रहा है। राजस्थान, गुजरात, मालवा आदि से गुरुभक्त पधारे एवं तीर्थपति एवं गुरुओं के दर्शन-वन्दन के साथ ही यहाँ विराजित आचार्यदेवेशश्री एवं श्रमण-श्रमणिवृन्द आ शुभाशीर्वाद प्राप्त किया।

सम्पूर्ण चातुर्मास के लाभार्थी श्रीमती अणसीदेवी गोपीलालजी श्रीश्रीमाल परिवार पादरू निवासी ने सभी आराधकों एवं तपस्वियों तथा बाहर से पधारने वाले अतिथियों का स्वागत करते हुए एकासन आदि पारणे की सुन्दर व्यवस्था की।

॥ तीर्थाधिपति श्री महावीरस्वामिने नमः ॥

अतिप्राचीन श्री भाण्डवपुर महातीर्थ

विश्वपूज्य दादा गुरुदेव
श्री राजेन्द्रसूरीश्वरजी म. सा. के गुरु मन्दिर तथा
पुण्य-सम्राट श्री जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के स्मृति मन्दिर

श्री भूमि पूजन प्रसंगे
भाव भरा आमन्त्रण

* भूमि (खात) पूजन *
भाद्रप्रद शुक्ला-13, शनिवार, दिनांक 22-9-2018 प्रातः 11 बजे

*आशीर्वाद *
परम पूज्य गच्छाधिपति,
श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा.

* शुभनिश्रा *
पुण्य-सम्राट राष्ट्रसन्त श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर,
भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक, आचार्यप्रवर
श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा.
एवं
विदुषी साध्वीजी श्री सूर्यकिरणाश्रीजी म. सा.
आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द

आप सभी सपरिवार सादर आमन्त्रित हैं।

* निवेदक-आमन्त्रक *
श्री महावीर जैन श्वेताम्बर पेढ़ी (ट्रस्ट)
श्री वर्धमान-राजेन्द्र जैन भाग्योदय ट्रस्ट (संघ)
मु. पो.- भाण्डवपुर तीर्थ, जिला- जालोर (राज.)

त्रिशला का लाल झूले पालणिये गाओ रे बधाई, खुशी आज छाई

उदयपुर, (स. सं),

श्री अवन्तिपार्श्वनाथ की पावन नगरी उज्जैन में प. पू. गुरुदेव पुण्य-सम्राट श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द की निश्रा में श्री पर्वाधिराज पर्व की अष्टदिवसीय साधना-आराधना त्रिस्तुतिक श्रीसंघ उज्जैन के तत्वावधान में चल रहे स्वर्णिम चातुर्मास में धार्मिक कार्यक्रमों के साथ तप-जप के कीर्तिमान बनाते हुए सम्पन्न हुई।

गच्छाधिपतिश्री की निश्रा में समाज में चल रही तपस्याओं की शृंखला में अनेक तपस्वी जुड़ रहे हैं। उज्जैन गच्छाधिपतिश्री की पावन निश्रा में तपमय, जपमय एवं धर्ममय हो गई है। पर्युषण पर्व के अन्तर्गत कल्पसूत्र वांचन के मध्य श्री महावीर प्रभु का जन्मोत्सव श्रीसंघ ने उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया।

पूज्य गच्छाधिपतिश्री की निश्रा में जन्मवांचन का कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें सम्पूर्ण समाज के श्रावक-श्राविकाओं ने भक्ति-भावपूर्वक भाग लिया।

माता त्रिशला द्वारा देखे गए चौदह स्वप्नों की बोली उच्च भावों के साथ बोल कर लाभ लिया गया।

इस अवसर पर चौदह स्वप्नों को सिल्वर में बनवाकर स्व. ऊषा जैन की स्मृति में डॉ. राजेन्द्र, सुशीलादेवी, शान्तिलालजी, वीरेन्द्र मन्जूबाला, नरेन्द्र राजलता परिवार ने श्रीसंघ को भेंट किए। श्रीसंघ ने परिवार की अनुमोदना करते हुए गच्छाधिपति की निश्रा में बहुमान किया गया।

पालनाजी का लाभ श्रीप्रतापजी चान्दमलजी मेहता परिवार ने लिया, गुरु आरती का लाभ श्री जयन्तीलालजी माणकलालजी कोठारी परिवार ने तथा स्वामीवात्सल्य का लाभ श्रीमती कंचनबाई सुशीलादेवी कोठारी परिवार ने लिया। गच्छाधिपतिश्री ने सभी तपस्वियों की सुखसाता पूछते हुए आशीर्वाद प्रदान किया। तपस्वियों का भव्य वरघोड़ा निकाला गया। मुनिश्री तारकरत्नविजयजी म. सा. के अट्ठाई तप के अनुमोदनार्थ सन्त निवास पर भक्ति का आयोजन किया गया।

पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. की मासिक तिथि पुण्य सातमी पर गच्छाधिपतिश्री के सान्निध्य में गुणानुवाद सभा आयोजित की गई जिसमें मुनिराजश्री सिद्धरत्नविजयजी म.सा., मुनिराजश्री विद्वद्रत्नविजयजी म. सा. आदि के साथ अनेक गुरुभक्तों ने अपने विचार प्रकट कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। गुरु भगवन्तों के दर्शनार्थ अनेक नगरों से श्रीसंघों, जन प्रतिनिधियों एवं गुरुभक्तों का आगमन निरन्तर जारी है।

प्रशिक्षित युवाओं द्वारा पर्व की आराधना

उदयपुर (स. सं.),

युग प्रभावक पुण्य-सम्राट श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के दिव्याशीष से एवं पट्टधर द्वय गच्छाधिपति श्री नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं माण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्य भगवन्त श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. की आज्ञानुसार आ. मा. श्री राजेन्द्र जैन नवयुवक परिषद् परिवार द्वारा संघ सेवार्थ संचालित श्री राजराजेन्द्र धर्मोत्तेजक परिषद् द्वारा राजस्थान, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र एवं आन्ध्रप्रदेश में श्री त्रिस्तुतिक जैन संघ में जिन संघों में गुरु भगवन्त का चातुर्मास नहीं हुआ ऐसे संघों में जाकर प्रशिक्षित बाल युवा श्रावकों को भेजा गया।

इस वर्ष 2018 में विभिन्न राज्यों में प्रशिक्षित श्रावकों ने पर्वाधिराज पर्युषण की आराधना उल्लास एवं उमंग के साथ विधिविधान के साथ करवाई गई।

1. **रतलाम (म.प्र.)** - समकित प्रवीणभाई दोशी-सूरत, मीत जगदीशभाई-सूरत, भव्य अरविन्दभाई शेठ-सूरत।
2. **पारा (म.प्र.)** - पक्षाल वसन्तभाई वोहरा-सूरत, तीर्थंक केवलभाई अदाणी-सूरत, पिन्टु प्रकाशभाई वोहरा-अहमदाबाद।
3. **आलोट (म.प्र.)** - हित प्रवीणभाई सेठ-सूरत, रूपसेन हितेशभाई धरू-सूरत, जयेशभाई शाह-अहमदाबाद।
4. **कुशलगढ़ (म.प्र.)** - दीप दिलीपभाई दोशी-सूरत, पार्थ प्रकाशभाई वोहरा-अहमदाबाद।
5. **बड़ावदा (म.प्र.)** - राज गिरीशभाई शाह-अहमदाबाद, सुरेशभाई बाबूलाल दोशी-सूरत।
6. **टाण्डा (म.प्र.)** - अंकित बाबूलाल देसाई-मुम्बई।
7. **रणापुर (म.प्र.)** - सज्जनभाई-राजगढ़।
8. **जोबट (म.प्र.)** - स्नेह हीराभाई वेदलिया-अहमदाबाद, अक्षत हसमुखभाई वेदलिया-अहमदाबाद।
9. **बड़वाह (म.प्र.)** - जिनेन्द्रकुमार बांठिया-टाण्डा।
10. **कस्वड़ (म.प्र.)** - पंडितश्री सन्दीपभाई-मुम्बई।
11. **दसई (म.प्र.)** - पंडित श्री दिनेशभाई-अहमदाबाद।
12. **मदुराई (आं.प्र.)** - गुरुभाई जयन्तीलाल दोशी-अहमदाबाद, धर्म गुरुभाई दोशी-अहमदाबाद।
13. **बागरा (राज.)** - विधिकार त्रिलोकभाई - इन्दरमलजी कांकरिया-इन्दौर।
14. **रेवतड़ा (राज.)** - पक्षाल हसमुखभाई कोरडिया-डीसा, मोक्ष चिनूभाई कोरडिया-डीसा, विराज नाविनभाई कोरड़िया-डीसा।
15. **जबपुर (राज.)** - वीतराग नरेशभाई मोदी-सूरत, श्रेय सुरेशभाई दोशी-सूरत।
16. **धानसा (राज.)** - दर्शन अशोकभाई सेठ-डीसा, ध्वज नीतिनभाई वोहेरा-डीसा।
17. **मोदरा (राज.)** - आगम अश्विनभाई कोरडिया-डीसा, सिद्ध हरेशभाई लुंकड़-डीसा, हर्ष मनीषभाई वोरा-डीसा।
18. **मेंगलवा (राज.)** - कमलेश हीरालाल मणसाली।
19. **चौराऊ (राज.)** - पर्व मनीषभाई छाजेड़-पारा, यश नरेशभाई सेठ-डीसा, राज विक्रमभाई वोहेरा-डीसा।
20. **लाखला (राज.)** - अक्षय भीखाभाई दोशी व कुशल विजयभाई सेठ-अहमदाबाद।
21. **पूने (महाराष्ट्र)** - हर्षिल अशोक भाई वोहेरा-अहमदाबाद, प्रीत विपुलभाई संघवी-डीसा।

जिनशासन एवं गुरुगच्छ की सेवार्थ आठ-आठ दिन तक परिवार से दूर रह कर स्व एवं पर आराधना में योगदान देने वाले बाल युवा श्रावकों की हम बहुत अनुमोदना करते है। सभी स्थानों पर पर्युषण की आराधना उल्लास और हर्ष के साथ तपाराधना करते हुई।

नोट- लोकप्रिय 'यतीन्द्र वाणी' पाक्षिक के ग्राहकों से निवेदन है कि आपका पता अगर बदल गया है तो अपना नवीन पता प्रधान कार्यालय पर भेजने की कृपा करावें, जिससे आपको अंक प्राप्त हो सके। -सम्पादक

यतीन्द्र वाणी पढ़िये, पढ़ाइये। घर-घर तक इसे पहुँचाइये।

सम्पूर्ण देश में पर्वाधिराज पर्युषण पर तप-त्याग, आराधना की पवित्र गंगा प्रवहमान : परस्पर की क्षमायाचना

उदयपुर (स.सं.)

प. पू. गुरुदेव पुण्य-सम्राट श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधरद्वय गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं माण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. के आज्ञानुवर्ती श्रमणिवृन्द के चातुर्मासोत्सव में एवं अनेक स्थानों पर स्वाध्यायियों द्वारा पर्वाधिराज पर्युषण में तप-जप, साधना-आराधना के विशिष्ट कीर्तिमान स्थापित करने के साथ ही विविध कार्यक्रमों के साथ हर्षोल्लास व धूमधाम से मनाते हुए सम्वत्सरी महापर्व पर सांवत्सरिक प्रतिक्रमण कर चौरासी लाख जीवायोनि के साथ परस्पर क्षमायाचना की।

अहमदाबाद-

मुनिराजश्री जिनागमरत्नविजयजी म. सा. आदि ठाणा की निश्रा में श्री सौधर्मबृहत्तपागच्छीय जैन त्रिस्तुतिक संघ अहमदाबाद के तत्वावधान श्री राजेन्द्रसूरि गुरु मन्दिर, हाथीखाना, रतनपोल में चल रहे चातुर्मासिक कार्यक्रमों में पर्वाधिराज पर्युषण महापर्व पर धूमधाम से मनाया गया। महावीर जन्मोत्सव पर चौदह स्वप्नों के साथ ही प्रभुजी के माता-पिता, मुनीम, इन्द्र-इन्द्राणी, पारणे का लाभ लाभार्थियों ने बोली बोल कर लिया। मुनिश्री द्वारा महावीर जन्म वांचन किया गया। विशाल संख्या में पधारे भक्तों ने श्रवण एवं चौदह स्वप्नों के दर्शन का लाभ लिया।

माटपचलाना-

साध्वीश्री भाग्यकलाश्रीजी म. सा. आदि ठाणा की पावन निश्रा में पर्वाधिराज पर्युषण के आठों दिन विविध धार्मिक आयोजन सम्पन्न हुए, जिसमें बच्चों, युवाओं एवं महिलाओं ने उत्साह के साथ भाग लिया। प्रतिदिन साध्वीश्रीजी ने पर्युषण महिमा पर प्रवचन प्रदान करते हुए कल्पसूत्र का वांचन किया। महावीर जन्मोत्सव पर चौदह स्वप्न उतारने का कार्यक्रम हुआ और सभी श्रावक-श्राविकाओं ने परस्पर जन्म की बधाई दी। साध्वीश्री की निश्रा में नगर में कई तपस्याएँ सानन्द पूर्ण हुई जिसमें 13 श्राविकाओं ने सिद्धितप की तपश्चर्या की जो क्रमशः श्रीमती सीमाजी गिरिया, श्रीमती मधुबालाजी गिरिया, श्रीमती रूपाजी गिरिया, श्रीमती अनिताजी गिरिया, श्रीमती हेमाजी संघवी, श्रीमती दीपिकाजी संघवी, श्रीमती अनिताजी संघवी, श्रीमती प्रमिलाजी ओरा, श्रीमती मधुबालाजी ओरा, श्रीमती रानूजी सियाल, श्रीमती मधुबालाजी कटलेचा, श्रीमती सपनाजी कटलेचा एवं कु. रियांशी कटलेचा ने सिद्धितप गुरुकृपा से सानन्द सम्पन्न किया। सभी तपस्वियों को सामूहिक पारणा करवाया गया। नगर के सभी तपस्वियों की शोभायात्रा निकाली गई। जिसे देखने को पूरा नगर उमड़ आया। साध्वीजी के दर्शनार्थ-वन्दनार्थ श्रीसंघों एवं गुरुभक्तों का आगमन हो रहा है।

मेघनगर-

साध्वीश्री अनेकान्तलताश्रीजी म. सा. आदि ठाणा-6 की पावन निश्रा में मेघनगर में विविध धार्मिक कार्यक्रम एवं सामूहिक तपस्याएँ जिसमें साध्वीश्री शत्रुंजयलताश्रीजी म. सा. सहित 21 सिद्धितप, 16 उपवास एक एवं पर्युषण पर्व पर लगभग 30 से अधिक सामूहिक अट्ठाई आदि तपस्याओं का दौर चल रहा है। दर्शन-वन्दन करने हेतु गुरुभक्त पधार रहे हैं।

अलिराजपुर-

साध्वीश्री शासनलताश्रीजी म. सा. आदि ठाणा-5 की निश्रा में अलीराजपुर में धर्म की गंगा प्रवहमान है। धार्मिक कार्यक्रमों एवं तपस्याओं का भव्य आयोजन साध्वीजी की प्रेरणा से चल रहा है। पुणिया श्रावक की सामायिक में 166 लोगों ने सामूहिक सामायिक की तथा तपस्या के क्रम में मासक्षमण-1, सोलह उपवास-1, सिद्धितप-5 एवं पर्युषण पर्वाधिराज पर 27 सामूहिक अट्ठाई की तपस्या की गई। तपस्या के निमित्त 14-16 सितम्बर 2018 तक त्रिदिवसीय महोत्सव आयोजित किया गया। जिसमें 15 सितम्बर 2018 को भव्यातिभव्य वरघोड़ा निकाला गया। जिसमें नगर के एवं आसपास के नगरों के गुरुभक्तों ने पधार कर शोभा बढ़ाई।

नागदा जं.-

साध्वीश्री तत्त्वदर्शनाश्रीजी म. सा. आदि ठाणा-5 की निश्रा में श्री जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक श्रीसंघ एवं श्री राजेन्द्रसूरि जैन ज्ञान मन्दिर न्यास, नागदा के तत्वावधान में जैन कॉलोनी, नागदा जं. के श्री शान्तिनाथ जैन मन्दिर में पर्युषण पर्व का प्रारम्भ प्रभात फेरी एवं झण्डा वन्दन के साथ जैन श्रीसंघ, परिषद् परिवार के साथ उपस्थित बन्धुओं के साथ विधिवत किया गया। आठों ही दिन प्रवचन, पूजा, भक्ति आदि के कार्यक्रमों में श्रद्धालु भक्तों ने उत्साह और उमंग के साथ भाग लेकर पर्वाराधना की। वीर जन्म महोत्सव पर विशेष कार्यक्रम आयोजित हुए। साध्वीजी की निश्रा में जन्मोत्सव पर चौदह स्वप्नों के साथ अन्य चढ़ावे बोल कर श्रद्धालुओं ने लाभ लिया। जन्मोत्सव पर बम्पर पुरस्कार भी रखे गए जिसमें 500 रुपये के दस, 5 चाँदी के नोट, 1 बम्पर लक्की ड्रा, 9 आकर्षक पुरस्कार, 3 नकद पुरस्कार कुल 28 पुरस्कार भाग्यशालियों को वितरीत किए गए। आठों दिन प्रभु-गुरु व पुण्य-सम्राट की नयनाभिराम अंगरचना की गई। रात्रि में भक्ति की गई। अंगरचना करने वाले नवयुवकों, मन्दिर के पुजारी एवं धार्मिक पाठशाला की अध्यापिका कोमलबेन चौधरी का बहुमान ट्रस्ट मण्डल द्वारा किया गया। जन्मोत्सव के पश्चात् श्री मूर्तिपूजक जैन संघ का सामूहिक स्वामीवात्सल्य आयोजित किया गया जिसका लाभ बोहरा एवं भारतीय परिवार ने लिया।

इस अवसर पर साध्वीजी ने दान की महिमा बताते हुए अपने प्रवचन में कहा कि व्यक्ति जन्म लेता है उसके साथ ही उसकी मृत्यु निश्चित हो जाती है। वह कब आए इसकी जानकारी किसी भी मानव को नहीं है। पूर्व भवों के सुकृत पुण्य से हमें यह मानव भव प्राप्त हुआ है और इस भव में हमने सुकृत दान आदि किया है वही अगले जन्म में और इस भव के दुःखों को कम करेगा।

सूरत-

साध्वीश्री अनन्तकृपाश्रीजी म. सा. एवं साध्वीश्री मयूरकलाश्रीजी म. सा. आदि ठाणा-34 की पावन निश्रा में चातुर्मासोत्सव में साध्वीजी म. सा. की प्रेरणा से सूरत में एक ओर तप-जप, साधना-आराधना के नवीन कीर्तिमान बने वही धार्मिक कार्यों के साथ जनकल्याण के कार्य भी क्रियान्वित हो रहे हैं।

श्री सौधर्मबृत्तापागच्छीय त्रिस्तुतिक जैन संघ सूरत (थराद वालों) के तत्वावधान में अडाजण-सूरत की धर्मस्थली पर होने वाले चातुर्मासोत्सव में पू. साध्वीजी की निश्रा में पर्युषण पर्वाधिराज पर आठों ही दिन विविध धार्मिक आयोजन किए गए। पर्युषण के पाँचवें दिन श्री राजराजेन्द्र-जयन्तसेन हॉल, पाल आर.टी.ओ. के सामने त्रिशला माता द्वारा देखे गए चौदह स्वप्नों के दर्शन का शानदार कार्यक्रम हुआ। साध्वीश्री ने कल्पसूत्र एवं महावीर जन्म वांचन किया जैसे ही साध्वीश्री के मुख से जन्म होने की बात सुनी तो सारा परिसर वीर प्रभु की जय-जयकारों से गूँज उठा और सभी ने वीर जन्मोत्सव की बधाइयाँ एक-दूसरे को अर्पित की। श्री जीतूभाई हालचन्दभाई वोरा परिवार की ओर से लड्डू की प्रभावना वितरीत की गई और श्री वाघजीभाई खेमचन्दभाई वोहेरा परिवार (दुधवा वाले) की ओर से श्रीसंघ स्वामीवात्सल्य का आयोजन किया गया। साध्वीश्री की निश्रा में अन्तिम दिन सांवत्सरिक प्रतिक्रमण करते हुए चौरासी लाख जीवायोनि से क्षमायाचना की गई।

थराद-

साध्वीश्री स्वयंप्रभाश्रीजी म. सा. की सुशिष्या साध्वीश्री काव्यरत्नाश्रीजी म. सा. की निश्रा में चातुर्मास में अनेक धार्मिक आयोजन हो रहे हैं तथा तप-जप के विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में साध्वीश्री रिद्धिरत्नाश्रीजी म. सा. के महामृत्युंजय तप (मासक्षमण) की तपस्या गतिमान है। पर्युषण पर्व पर आठों दिनों प्रवचन, कल्पसूत्र वांचन, वीर जन्मोत्सव के साथ ही मन्दिरजी में प्रभु-गुरु की आकर्षक अंगरचना की गई। सारे नगर में धर्म की गंगा के साथ तपस्या की सरिता बह रही है। गुरुभक्तों का दर्शनार्थ-वन्दनार्थ आवागमन चालू है।

खानपुर-अहमदाबाद-

साध्वीश्री चारित्रकलाश्रीजी म. सा. आदि ठाणा की निश्रा में श्री राजेन्द्रसूरि आराधना भवन, खानपुर-अहमदाबाद में अ. भा. श्री तरुण परिषद् अहमदाबाद द्वारा शक्रस्तव महाभिषेक का भव्य अनुष्ठान आयोजित किया गया। पर्युषण में आठों दिन पर्व की आराधना करते हुए धूमधाम से मनाया गया।

करवड़-

करवड़ नगर में मायन्दर से पधारे श्री सन्दीप भैया ने पर्वाधिराज पर्युषण की आराधना करवाई। तीन दिनों में आह्निका सूत्र का वांचन करवाया तथा दोनों समय प्रतिक्रमण करवाया। जन्मोत्सव के दिन कल्पसूत्र घर ले जाने की बोली का लाभ श्री अशोक भण्डारी, वासक्षेप पूजा का लाभ श्री चौथमल मरगट, पालनाजी को घर पर ले जाने का लाभ श्री प्रकाशचन्द्र राजेशकुमार भण्डारी परिवार ने लिया और रात्रि में भक्ति का आयोजन गीत-संगीत की स्वरलहरियों के साथ किया गया। चौदह स्वप्नों, प्रभु को झुलाने आदि चढ़ावों का लाभ विभिन्न भक्तों ने लिया। इस अवसर पर श्री प्रकाशचन्द्र, राजेश, सार्थक भण्डारी एवं श्री चौथमल ललित, यश मरगट परिवार की ओर से स्वामीवात्सल्य रखा गया।

यतीन्द्र वाणी में प्रकाशनार्थ सामग्री निम्न नम्बर व ई-मेल पर भिजावें।
कुलदीप 'प्रियदर्शी' 09413763991
e-mail : priyadarshikuldeep@gmail.com

निःशुल्क सर्व रोग निदान शिविर सम्पन्न

उदयपुर (स. सं.),

अ. भा. श्री राजेन्द्र जैन नवयुवक परिषद् राजगढ़-धार के तत्वावधान में आयोजित गुरुदेव श्री राजेन्द्रसूरीश्वरजी म. सा. के 150 क्रियोद्धार वर्ष एवं पुण्य-सम्राट श्री जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. की 17वीं मासिक पुण्य तिथि पर निःशुल्क सर्वरोग निदान शिविर सम्पन्न हुआ।

इस शिविर में 662 मरीजों ने लाभ लिया जिसमें नैत्र रोग, हड्डी रोग, चर्म रोग, स्त्री रोग, दन्त रोग, ईसीजी, शुगर, फिजियोथैरेपी, नाक-कान-गला आदि रोगों का निदान किया गया। यह विविर धीरज हॉस्पीटल, बड़ौदा के सहयोग से सरस्वती शिशु मन्दिर में राजगढ़ में लगाया गया था। जिसके मुख्य लाभार्थी श्री जैन सोश्यल ग्रुप राजगढ़ थे।

शिविर में हर्ष बापना, टीनू जैन, नितीन भण्डारी, मॉंगीलाल मामा, कान्तिलाल जैन, विजय बापना, दिलीप जैन लोकेन्द्र मोदी, दिनेश मामा, विकास जैन आदि सरस्वती शिशु मन्दिर परिवार उपस्थित थे।

श्री यतीन्द्रवाणी प्रकाशन
संस्थापक : श्री जैन संघ-धानेरा

समस्त गच्छाधिपतियों, आचार्य भगवन्तों, श्रमण-श्रमणियों एवं श्रावक-श्राविकाओं से सम्वत्सरी महापर्व पर

यतीन्द्र वाणी परिवार

द्वारा मिच्छा मि दुक्कडं।

दादा गुरुदेव की आरती में बदलाव एक निन्दनीय कृत्य

उदयपुर (स. सं.)

कलिकाल दादा गुरुदेव की आरती वर्तमान में सम्पूर्ण देश ही नहीं अपितु विश्व के कोने-कोने में जहाँ भी गुरुदेव की आरती होती है तो सर्वमान्य आरती जिसे सन्तकविश्री कुन्दनमलजी डॉंगी ने प्रगाढ श्रद्धा और समर्पण के साथ दादा गुरु की आरती की रचना की थी। इस आरती को व्याख्यान-वाचस्पति गुरुदेवश्री यतीन्द्रसूरिजी म. सा. ने सकल श्रीसंघ में मान्य कराया।

आरती विमोचन करते श्रावक

वर्तमान में जालोर जो कि दादा गुरुदेव की साधना आराधना की भूमि रही वहीं के कतिपय श्रावकों ने पूरी आरती ज्यों की त्यों और सिर्फ रचनाकार कुन्दन के नाम को हटा कर श्रीसंघ कर दिया और उसकी बहुरंगी प्रिन्ट मुद्रित करवा कर फोटो चित्र तस्वीर बनाकर लोकार्पण करवा दी गई। किसी भी रचना में परिवर्तन कर लेखक के नाम को हटाकर अपना नाम लगाना ज्ञानावरणीय कर्म बन्ध करते हुए श्रुतचोरी करने का निन्दनीय एवं घृणित कार्य किया है। जिन महानुभावों ने परिवर्तित किया है मैं उनसे सविनय पूछना चाहता हूँ कि-

- क्या आपने त्रिस्तुतिक श्रीसंघ के गच्छाधिपतिश्री या आचार्यश्री अथवा किसी ज्ञानी गुरुभगवन्त से पूछा था क्या ?
- अगर आपको कुन्दन वन्दन करले.. को बोलने से हानि होती है तो पूरे देश में दूसरी कोई आरती चला कर बदलाव करवा देते ?
- समस्त त्रिस्तुतिक जैन समाज से निवेदन है कि अपना विरोध प्रकट करते हुए समाज में दोबारा ऐसा नहीं हो वह सन्देश - आदेश पू. गुरुभगवन्तों की आज्ञा से मिडिया के द्वारा सब तक पहुँचा कर सच्ची गुरुभक्ति का परिचय देवें।

स. सं. कुलदीप 'प्रियदर्शी', उदयपुर

योगी-वाणी

क्षमा वीरस्य भूषणम्।

क्षमा वीरों का आभूषण है। हम विनययुक्त क्षमा माँग कर छोटे नहीं अपितु विशाल हृदय के स्वामी बन जाते हैं। क्षमा करना बड़प्पन की निशानी है और शत्रुता रखना लघुता का परिचायक है।

-योगिराज गुरु श्री शान्तिविजयजी

आत्मीय निवेदन

समस्त श्रीसंघों के अध्यक्षों, साधु-साध्वी भगवन्तों से निवेदन है कि आप अपने यहाँ होने वाले कार्यक्रमों के समाचार आदि प्रकाशित सामग्री प्रत्येक मास की 10 व 20 तारीख तक 'यतीन्द्र वाणी' में प्रकाशनार्थ भिजावें।

-सम्पादक, यतीन्द्र वाणी,
श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार,
साबरमती-गाँधीनगर हाइवे, पो.- मोटेरा-382 424

श्री राजेन्द्र-धनचन्द्र-भूपेन्द्र-यतीन्द्र-विद्याचन्द्र-जयन्तसेन-शान्ति गुरुवरों के विचारों एवं कार्यों को समर्पित
सम्पूर्ण जैन समाज का ज्ञानवर्धक लोकप्रिय हिन्दी पाक्षिक पत्र

यतीन्द्र वाणी

हिन्दी पाक्षिक

सम्पादक
पंकज बी. बालड़

स. सम्पादक
कुलदीप डॉंगी 'प्रियदर्शी'

प्रधान कार्यालय
श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार
विसामो बंग्लोज के पास,
विसत-गाँधीनगर हाइवे,
मोटेरा, चान्दखेड़ा, साबरमती,
अहमदाबाद-382 424 (गुजरात)

सदस्य शुल्क

संरक्षक सं.	11000/- रुपये
सदस्य सं.	7100/- रुपये
आजीवन ग्राहक	1000/- रुपये
एक प्रति	5/- रुपये

विज्ञापन दर

प्रथम पूरे पृष्ठ के -	5100/- रुपये
अन्य पूरे पृष्ठ के -	2100/- रुपये
अन्तिम पूरे पृष्ठ के -	3100/- रुपये
अन्दर के एक चौथाई के -	801/- रुपये

विशेष सूचना- प्रत्येक मास की 10 एवं 20 तारीख तक विज्ञापन एवं समाचार कार्यालय पर भेजना अनिवार्य है। चैक या ड्राफ्ट 'यतीन्द्र वाणी' के नाम से भेजें।

* लेखक के विचारों से संस्था और सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं। * सम्पादक, यतीन्द्र वाणी

प्रेषक :
यतीन्द्र वाणी (हिन्दी पाक्षिक)
C/o. श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार
विसामो बंग्लोज के पास,
विसत-गाँधीनगर हाइवे,
मोटेरा, चान्दखेड़ा, साबरमती,
अहमदाबाद-382 424 (गुजरात)
दूरध्वनि : 079-23296124,
मो. 09426285604
e-mail : yatindravani222@gmail.com
www.shrirajendrashantivihar.com

'Reg. Under Postal Registration No. AHD-C/22/2018-2020 VALID UPTO 31st December-2020 issued by the SSPO's Ahmedabad City Division, permitted to post at Ahmedabad PSO on 1st & 15th every month'
RNI No. GUJ/HIN/1999/321
Licensed to Post Without Prepayment No. PMG/HQ/070/2018-20 valid up to 31/12/2020

श्री.....
.....
.....

स्वत्वाधिकार प्रकाशक, मुद्रक- शान्तिदूत जैनोदय ट्रस्ट, सम्पादक- पंकज बी. बालड़, यतीन्द्र वाणी हिन्दी पाक्षिक, श्री राजेन्द्र शान्ति विहार, पो.- मोटेरा-382 424 से प्रकाशित एवं सनसाईन फोटो प्रिन्ट, एफ-4, तुषार सेन्टर, नवरंगपुरा, अहमदाबाद में मुद्रित